

FOUNDER'S ESSAY

उस व्यक्ति की टीका की प्रशंसा करता हूँ

लोग कहते हैं कि जीवन की सर्वोत्तम खुशी आपसे संबंधित कोई ऐसा पुरुष हो जिसकी सचमुच में प्रशंसा कर सकते हैं और जिसे इंगित कर कह सकते हैं कि “सबमें से यही पुरुष है” जिससे मैं पूरी तरह सहमत हूँ।

“यह उचित है !” कोई जो कुछ बोलता है, हम उसकी बातों पर ध्यान देते हैं और सहमति में सिर नवाते हैं। मात्र उनके चेहरे को देखने से उनकी आवाज को सुनने से हमें खुशी मिलती है और एकाएक जीवन के प्रति उत्साह का प्रवाह होता है। “मैं उस पुरुष की तरह मात्र होना चाहता हूँ,” हम अनुभव इसे करें और इसे जाने इसके पूर्व हमारे बोलने एवं सोचने का तौलतरीका उनके सदृश होना चाहिए।

हमारा धर्म में श्रद्धा विश्वास समान है। जबकि बौद्धधर्म का सिद्धान्त बेशक हमें पसंद आता है, हम में से बहुत सारे लोग श्रद्धा विश्वास रखनेवालों के जनक, या शाखा प्रमुख या धर्म केन्द्र के निदेशक के व्यक्तित्व एवं आचार व्यवहार के प्रति आकर्षित होते हैं और जो उन्हें धर्म की ओर अग्रसर कराता है, क्या नहीं ? हम खुले हृदय से

सुनने में समर्थ थे, क्योंकि उस व्यक्ति ने हमें जो व्याख्या दी, शनैः शनैः हम बौद्धधर्म के गूढ़ गंभीर देशना के प्रति खींचे चले आये।

कम्पनी में भी, लोग कहते हैं कि सुपरवाइजर बनने के लिए पूर्वापेक्षित अनिवार्यता है कि कार्यकर्ता लोग उसे पसंद करते हैं। जब हम सुपरवाइजर के सम्पर्क में होते हैं वह कुछ कहकर प्रसन्न कर देता है। जब हम कोई गलती करते हैं, वह उसे इंगित कर देता है, और हमें यह कहने के लिए उत्साहित करता है, “मैं किसी को भी निराश नहीं करूँगा !” हम प्रत्येक चीज में निर्देश के लिए रुके बिना ही स्वेच्छा से काम में लगे रहने में कमी नहीं करेंगे।

जब आप एक ऐसे व्यक्ति के रूप में उभरते हैं जो स्वयं को दूसरों के दिल में स्थान बनाने में सक्षम है, आप बिना कहे ही दूसरों की मदद कर सकते हैं।

From *Kaisozuikan* 9 (Kosei Publishing Co.), p. 166-167

Living the Lotus Vol. 138 (March 2017)

Published by Rishso Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-kai.or.jp
Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editorial Staff of RK International

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



GUIDANCE BY PRESIDENT NIWANO

क्या आपकी सोच सकारात्मक या नकारात्मक है ?

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

आगे बढ़ने की ताकत

आदमी की आयु के साथ ही, शरीर के एक अंग या दूसरे में समस्याएँ आती हैं। मैंने भी शारीरिक पीड़ा और उसके साथ थोड़ी परेशानियों का अनुभव किया है। कोई बात नहीं, हम कितना भी इन सत्यताओं से बचने की कामना करें, ये अपरिहार्य हैं। ऐसे मौके पर, जो मन में आता है वे पीड़ा, दुःख, असुविधायें, छुटकारा पाने की कामना और सामान्य जीवन में लौटने संबंधी शिकायतें हैं। दूसरे शब्दों में, हम जीवन की सामान्य क्रियाओं के प्रति नकारात्मक विचार रखते हैं।

इन शारीरिक समस्याओं के अतिरिक्त, जब चीजें हमारे मनोनुकूल नहीं घटती हैं, हम हतोत्साहित हो जाते हैं और उस अवस्था के प्रति नकारात्मक विचार ले आते हैं। उदाहरण स्वरूप, सब्जी उगानेवाले किसान वर्षा को वरदान के रूप में स्वागत करते हैं, वहीं वर्षा कुछ लोगों की अप्रसन्नता का कारण बनता है, जो गीले कपड़ों को सुखाने के लिए बाहर फैलाना चाहते हैं या जिन्हें घर के बाहर खुले में आनन्द मनाने की इच्छा है। दूसरे शब्दों में, हमारे मन की कार्यशैली हमारे व्यक्तिगत परिस्थितियों पर निर्भर होता है।

फिर भी, ऐसे असन्तोष का विचार जैसे कि “मैं उसे पसन्द नहीं करता हूँ” या “ऐसा मेरे साथ क्यों होता है ?” का वस्तुस्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। क्यों नहीं आप किसी चीज को नापसन्द करने की भावनात्मक प्रतिक्रिया से कुछ क्षण के लिए दूर तटस्थ रहकर उसे देखने का प्रयास करें और सकारात्मक विचार से निरीक्षण करें ? अपने विचार को विस्तृत आयाम देकर, अपने मन का संपोषण करें।

मैंने अपनी शारीरिक पीड़ा को एक अच्छा अनुभव के रूप में स्वीकारने का निश्चय किया है जो मुझे समान रूप से पीड़ित लोगों के प्रति अधिक विनम्र बनने में सहायता करेगा। और आखिरकार, मैं स्वस्थ हो जाता हूँ, सामान्य पीड़ा रहित जीवन जीने के बनिस्पत, मैं अधिक कृतज्ञ अनुभव करूँगा। ऐसा मेरा पूर्वानुमान है।

बीमारी और चोट पीड़ादायक होता है। हम कभी कभी सोच सकते हैं कि ऐसा अनुभव अनुचित है। सकारात्मक दृष्टिकोण से इन्हें स्वीकार करके भी, जिस क्षण से ऐसा करते हैं, हम दुःख पीड़ा अभी एवं यहाँ कम ही नहीं कर सकते हैं बल्कि उर्जा का संग्रह करने का प्रारंभ भी कर सकते हैं जिससे शेष जीवन को पूरी तरह जी सकते हैं।



उदार चित्त से जीना

मैंने ऊपर उल्लेख किया है कि वर्षा को वरदान या अप्रसन्नता का कारण के रूप में देखते हैं। यह एक उदाहरण है कि किस रूप में वर्षा को लेते हैं जो एक प्राकृतिक घटना है। यह हमें शिक्षा देता है कि जब हम किसी चीज पर भिन्न परिप्रेक्ष्य में देखते हैं, हमें उसमें कुछ ऐसे तत्व मिलते हैं जो हमें कृतज्ञता का भान कराते हैं, चाहे परिस्थितियाँ कितना ही कष्टकर एवं दुःखदायी क्यों न हों। हमारा ऐसा करने के पीछे कारण है कि संसार में कुछ भी नहीं है जिसके पीछे कोई उद्देश्य छिपा नहीं है।

अस्तित्व के सत्य की शिक्षा, अर्थात् सभी घटनायें और वस्तुयें सत्य की अभिव्यक्ति हैं, के आधार पर बौद्ध विद्वान काजुयोशि किनो (1922-2013) ने कहा है: “हम अवश्य स्वीकार करें कि प्रत्येक वस्तु परमसत्य की प्रस्तुति है, जन्म लेने मरने का तथ्य हो, या संसार में अन्य घटनाओं के घटने का तथ्य हो।”

दूसरे शब्दों में, करने को कुछ नहीं है बल्कि जो हमारे सामने आता है, हम सुनते हैं या हम अनुभव करते हैं, प्रत्येक को स्वीकारना है। डा किनो की भाषा में “सकारात्मक, सकारात्मक, परम सकारात्मक है।” मैंने ऊपर कहा है कि हमें अवश्य ऐसे तत्व मिलते हैं जो हमें कृतज्ञता का भान कराते हैं, चाहे परिस्थितियाँ कितना ही कष्टकर एवं दुःखदायी क्यों न हो। और इस अर्थ में, हम उस तत्व को पाने में मात्र समर्थ ही नहीं होते हैं बल्कि वास्तव में हम जिसका भी अनुभव करते हैं, वह उपहार है। कोई बात नहीं, कितना भी इसे स्वीकारना कठिन हो, यह हमारे जीवन को संपोषित करता है और हमें उसके लिए कृतज्ञ होना चाहिए और हमें निश्चय ही स्वीकारना चाहिए। यह निश्चित रूप से स्वाभाविक है कि व्यक्ति और परिस्थितियों के प्रभाव में वह संभवतः शीघ्र स्वीकार नहीं करे जो घटना आभार के साथ है।

यह उन लोगों के समान है जो प्रारंभ से ही माता पिता के प्रति आदरभाव प्रकट करते आ रहे हैं जबकि, दूसरे लोग माता पिता के पितृत्व के भाव से अवगत होते हैं जब वे स्वयं माता पिता बन जाते हैं। इस तरह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के बीच बोध होना तथा बोध के स्तर में भिन्नता हो सकती है।

जब हम कुछ सकारात्मक स्वीकार नहीं कर सकते हैं, हमें आत्मचिन्तन पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। जब हम किसी की गलतियाँ निकालने की भावना को दबा नहीं सकते हैं, हम स्वयं से पूछें, “क्या हम दयाभाव को भूल तो नहीं जा रहे हैं?” जब हम तथ्य को निश्चित रूप से स्वीकार नहीं कर सकते हैं, हम स्वयं से पूछें, “क्या हम ईमानदारी को भूल तो नहीं जा रहे हैं?” दो महत्वपूर्ण बिंदु हैं, क्योंकि, जब व्यक्ति चीजों को आत्मनिष्ठ दृष्टिकोण, अर्थात् अपने अहंकार, से देखता है, उसे दयाभाव और ईमानदारी दिखाई नहीं देता है।

चीजों को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने से, हम उदार मन और अनावश्यक चिंता से मुक्त जीवन यापन कर सकते हैं। इन तथ्यों के आधार पर कह सकते हैं कि कौन सा दृष्टिकोण, सकारात्मक या नकारात्मक, सुख शान्ति लायेगा।

From Kosei, March 2017



Child Care lifeline

दूसरी पुत्री के जन्म के बाद से प्रथम पुत्री मुझसे अधिक स्नेह पाने की आकांक्षा करने लगी है
प्रथम पुत्री मुझसे अधिक स्नेह पाने की आकांक्षा करने लगी है



मेरी दूसरी पुत्री के जन्म के ठीक बाद से मेरी चार वर्ष की प्रथम पुत्री अपनी छोटी बहन को देखते सुनते रहने को आतुर थी। परन्तु हाल में, अचानक वह मेरा अधिक ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास करती है।



आप एक अद्भुत माँ हैं जो अपने बच्चों के स्वस्थ विकास के प्रति सदा सजग रहती हैं।

जब कोई छोटी बहन या छोटा भाई जन्म लेता है, अधिकतर बड़े बच्चे शैशवावस्था की मनोवृत्ति में लौट जाते हैं। बड़े बच्चे चिन्तित रहते हैं कि उन पर जो माँ का ध्यान था वह कहीं छोटे भाई या छोटी बहन पर तो नहीं चला गया है। इस कारण से, बड़े बच्चे कभी कभी नन्हें बच्चे की तरह माँ के वक्षस्थल से चिपकना चाहते हैं, मानो कहने के लिए कि “मुझको देखो !” या वे कभी कभी कर सकते हैं जबतक कि वे फिर डाइपर नहीं पहन लेते हैं।

यह संकेत है कि आपकी पुत्री माँ के प्यार में कमी का अनुभव कर रही है। कृपया आप अपनी बड़ी पुत्री को शारीरिक स्पर्श में लेने का प्रयास करें और अपने स्नेह से उसमें पुनः विश्वास की उर्जा का संचार होने दें। दैनिक बातचीत में भी प्रायः इस तरह की बातें नहीं करें, “प्लीज कुछ ठहरो, तुम बड़ी हो” या “धैर्य रखो, क्योंकि तुम बड़ी हो ?” क्योंकि आप दो बच्चियों के पालन पोषण में व्यस्त होंगी, अनजाने ही कहती रही हैं कि “क्योंकि तुम बड़ी हो” बल्कि, इसके बदले बड़ी पुत्री से कहने की कोशिश करें, “यह वास्तव में वैसा ही है जैसा बड़े करते हैं !” जब वह आपकी मदद करती है या कुछ अच्छा काम करती है।

नन्ही बच्ची की देखरेख करने में बड़ी को साथ रखने से सहायता मिलेगी। जैसे कि डाइपर बदलने में कुछ मदद ले लेना या उसके सामने ही नन्ही ही को अपना दूध पिलाना ही काफी होगा। और, जब आप ऐसा करती हैं, कृपया कहने की कोशिश करें, उदाहरण के लिए, “छोटी बहन तुझे धन्यवाद दे रही है ! जब तुम नन्ही बच्ची थी, इसी तरह दूध पीती थी। मैं तुझे बहुत प्यार करती हूँ !” और उसे गले लगा लें।

बच्चे माँ के प्यार का केवल अनुभव चाहते हैं। इसलिए जब वे

संतुष्ट हैं, वे स्वभावतः ही अपनी बड़ी बहन या अपने बड़े भाई के प्यारे होंगे, जैसाकि माँ कहती है।

बच्चे अपने तरीके से जहाँ तक उनसे संभव है अच्छा करते हैं। कभी कभी बड़ी बच्ची के साथ खेलने से आपको मदद मिलेगी, विशेष कर इस दृष्टिकोण से कि “अब बस तुम्हारे लिए समय है।” कुछ समय साथ बिताना यथेष्ट होगा। जब आप पूरे मन से उसके साथ खेलती है, उसका दिल दिमाग भर जाएगा, क्योंकि बच्चे अपनी माँ को सबसे अधिक प्यार करते हैं।



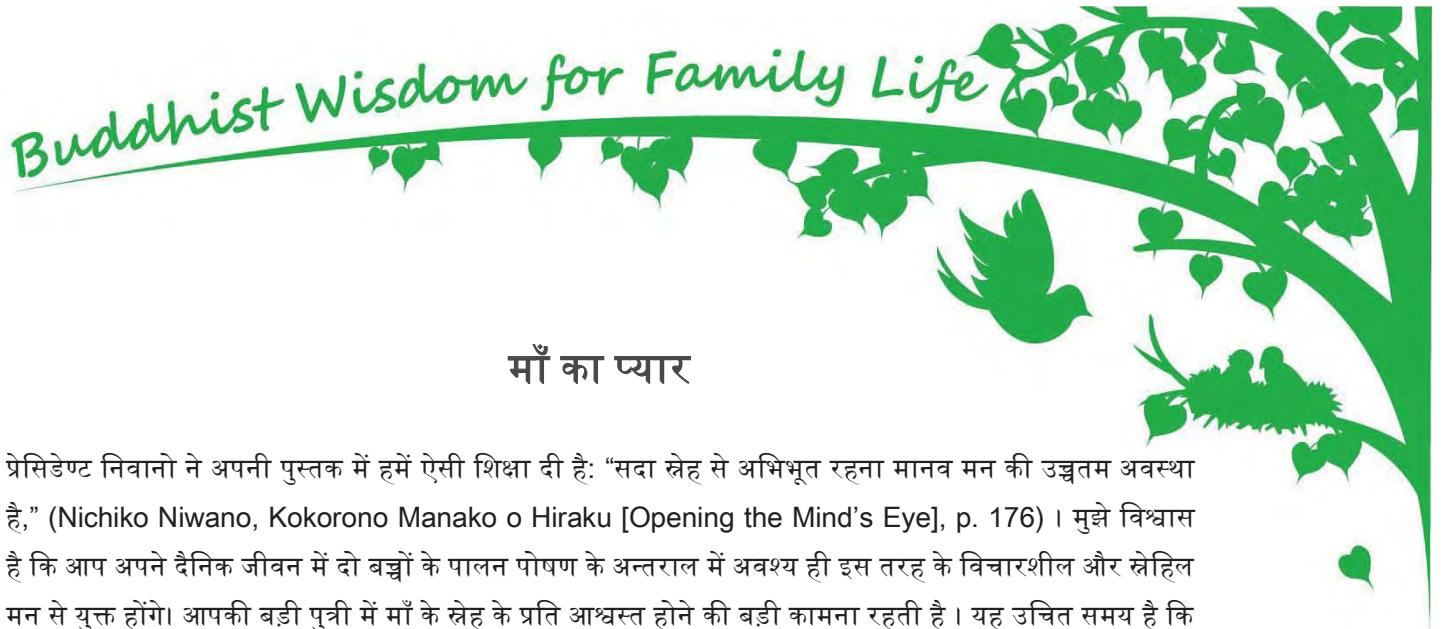
अपने बड़े बच्चे के साथ शारीरिक संबंध बनाये रखने की कोशिश करें

जब छोटे बच्चे का जन्म होता है, माँ बड़े बच्चे के साथ ऐसा व्यवहार करें, मानों वह इतना बड़ा है कि उसे भावनात्मक स्वतंत्रता चाहिए। फिर भी बड़ा बच्चा माँ के नजदीक रहना चाहता है। अकेले बड़े के साथ बिताने के लिए समय निकालने का प्रयत्न करें।

(टोक्यो अनुसंधान संस्थान के परिवार शिक्षा द्वारा प्रदान उत्तर)

The Tokyo Research Institute for Family Education इस आधार पर काम करता है कि “यदि माता पिता बदल सकते हैं तो बच्चों में भी परिवर्तन आयेगा।” हम विभिन्न स्थानों में प्रेजेंटेशन देते हैं और संबन्धित माता पिता को अपनी सलाह देते हैं।

“Family education from their children” कार्यक्रम में हमारी मदद से अनेक हँसते खेलते परिवार निकल आये।



माँ का प्यार

प्रेसिडेंट निवानो ने अपनी पुस्तक में हमें ऐसी शिक्षा दी है: “सदा स्नेह से अभिभूत रहना मानव मन की उच्चतम अवस्था है,” (Nichiko Niwano, Kokorono Manako o Hiraku [Opening the Mind's Eye], p. 176)। मुझे विश्वास है कि आप अपने दैनिक जीवन में दो बच्चों के पालन पोषण के अन्तराल में अवश्य ही इस तरह के विचारशील और स्नेहिल मन से युक्त होंगे। आपकी बड़ी पुत्री में माँ के स्नेह के प्रति आश्चर्य होने की बड़ी कामना रहती है। यह उचित समय है कि आप उसे अपना अपार स्नेह दें।

बौद्ध धर्म का कथन है “वागेन आइगो” (सौम्य चेहरा और स्नेह भरे शब्द) जिसका अर्थ है कि मुख पर मुस्कान रखो और सौहार्दपूर्ण हृदय से एवं स्नेह भरे शब्दों में दूसरों से बातचीत करो। आप अपनी बड़ी पुत्री से गर्माहट लाने वाले शब्दों का प्रयोग कर, पूर्व में जैसा नहीं किया, अधिक खुशी बिखेरने वाली बड़ी मुस्कान के साथ विनम्रभाव से बातें करें। आपकी मुस्कान और आपके शब्दों का ओज वस्तुतः उसे अनुभव कराएगा कि माँ उसे प्यार करती है जिससे उसमें अवश्य शक्ति आयेगी। वह अपनी प्रतिभाशाली चारित्रिक विशिष्टता का प्रदर्शन करेगी।

(धर्म शिक्षा और मानव संसाधन विकास विभाग, रिश्शो कोसेइ काइ द्वारा संपादकीय पर्यवेक्षण)



Please give us your comments!



We welcome comments on our newsletter *Living the Lotus*.

Please send us your comments to: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

मेरे सामने बैठा व्यक्ति बुद्ध था

यह हाल में बैंकाक जाते हवाई जहाज की घटना है: जहाज के उड़ने के शीघ्र बाद मेरी सीट के ठीक आगे बैठा एक अधेड़ व्यक्ति ने अचानक अपनी सीट पूरी तरह पीछे खिसका दिया। मुझे लगा, ओ ! यह खतरनाक है। कितना अभद्र व्यक्ति है ! क्योंकि मैं इतना अशान्त था, मैंने सोचा कि उसे बतला दूँ कि मैं उसके अविवेकपूर्ण व्यवहार से कितना दुःखी हूँ। मेरे बगल का सीट खाली था, इसलिए मैंने सोचा कि उस सीट पर चला जाऊँ और जो कुछ घटा था उसके विषय सोचना आरंभ किया।

उस समय अनेक विचार उठने लगे, “इस व्यक्ति के समान ही अनेक लोगों को अनजाने ही अहसास किये बिना ही अवश्य दुःखी किया है।” “मुझे अपने व्यवहार से पड़नेवाले दुष्प्रभाव के प्रति अधिक सजग रहना चाहिए।” “मैं कृतज्ञ हूँ कि पहले मैं दूसरों के कारनामों पर अपना आपा खो देता था, परन्तु अब किसी घटना में कैसे खुशी का कारण निकालना है, सीख लिया हूँ।” तब हमें अनुभव हुआ कि वह व्यक्ति जो मेरे आगे की सीट में पूर्ण शान्त सोया हुआ था, वह बुद्ध था।”

मार्च, 5 को हम रिश्शो कोसेइ काइ की वर्षगाँठ मना रहे हैं। इस अवसर पर मैं अपना हार्दिक आभार प्रकट करना चाहता हूँ क्योंकि हमें रिश्शो कोसेइ काइ में सर्वोत्तम खुशी मिली है।

शोको मिजुतानी

रिश्शो कोसेइ काइ अन्तरराष्ट्रीय विभाग निर्देशक



 RISSHO KOSEI-KAI INTERNATIONAL BRANCHES 

Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

2017

Rissho Kosei-kai International

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A.
Tel: 1-323-262-4430 Fax: 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com
http://www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Road, Clearwater, FL 33764, U.S.A.
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel: 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/~rkchi/

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

http://www.rkftmyersbuddhism.org/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: rkokdc@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls

1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver

1255 Galapago Street, #809 Denver, CO 80204, U.S.A.
Tel: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

425 Patterson Road, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongzheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung

No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 Fax: 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Busan

3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong, Republic of China

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

15F Express tower, Peace avenue, khoroo-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK**Rissho Kosei-kai of Venezia**

Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris

86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

International Buddhist Congregation (IBC)

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 *Fax:* 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp <http://www.ibc-rk.org/>

Rissho Kosei-kai of South Asia Division

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 *Fax:* 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Branches under the South Asia Division**Rissho Kosei-kai of Central Delhi**

224 Site No.1, Shankar Road, New Rajinder Nagar, New Delhi,
110060, India

Rissho Kosei-kai of West Delhi

66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road
Rumpur, Gaya-823001, Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Thai Rissho Friendship Foundation

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 *Fax:* 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka

House#408/8, Road#7(West), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani

Mayani(Barua Para), Post Office: Abutorab, Police Station: Mirshari,
District: Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya

Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar

Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox'sbazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Ramu**Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka**

382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralessgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**Rissho Kosei-kai of Habarana**

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Other Groups**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**